गांधीवादी दर्शन में नैतिक व आध्यात्मिक आधार

डॉ0 सरिता कुमारी

गांधी वादी दर्शन के यह नैतिक एव आध्यात्मिक आधार व्यक्ति को अनुशासित रखने हेतु महत्त्वपूर्ण हैं। इन्हें लागू करके व्यक्ति अपना सुधार तथा आन्तरिक स्वतंत्रता प्राप्त कर सकता है। गांधी जी मानव समाज को वर्तमान दुर्दशा से उबारकर कल्याण की दिशा में ले जाने की परम आदर्श की झलक दिखाते हैं। जिस तक पहुँचने के लिए समाज युगों तक प्रयत्नशील रहेगा। व यथार्थ और आदर्श के बीच का मार्ग भी निर्दिष्ट करते हैं जिसके माध्यम से सामाजिक नवनिर्माण की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जा सके। गांधीजी की त्याग और बलिदान की भावना ने, जनता की सृजनात्मक शक्ति में उनकी अकूत आस्था ने, सामाजिक न्याय और साम्प्रदायिक मैत्री के लिए उनके अथक संघर्ष ने, अस्पृश्यता के विरुद्ध उनके आन्दोलन ने,उनके जीवन व चरित्र की सरलता तथा सादगी ने, पूर्ण स्वतंत्रता के लिए भारत के अन्तिम और निणार्यक संघर्ष के युग को आलोकित कर दिया।